जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय,जोधपुर
केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय सूचीपत्र 2020–21

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के अर्न्तगत विभिन्न पुस्तकालयों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है।

1. महाराजा कुमार कॉलेज–:

   सन् 1962 में पुराने परिसर में महाराजा कुमार कॉलेज जोधपुर के नाम से स्थापना हुई। जो पुराने परिसर में संचालित हो रहा था।

2. जोधपुर विश्वविद्यालय में विलय –:

   02 जून 1962 को जोधपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, जिसमें जोधपुर में चार सरकारी कॉलेज को जोधपुर विश्वविद्यालय में विलय किया गया जिसमें प्रथम एम.बी.एम अभियांत्रिक कॉलेज व वास्तुकला संकाय एंव द्वितीय जसंवत कॉलेज में वाणिज्य संकाय व प्रबन्ध अध्ययन संकाय कार्य कर रहे थे। तृतीय एस एम के कॉलेज जिसमें विधि संकाय व सांय कालीन अध्ययन संस्थान जिसमें सेवारत कर्मियों अध्ययन हेतु एंव चुर्तथ कमला नेहरू महिला कॉलेज भी शामिल थे। उपरोक्त सभी संस्थाऐं जोधपुर विश्वविद्यालय के अधीन कार्य कर रहे थें, जो वर्तमान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के नाम से संचालित हो रहा है।

   पुराने परिसर में जसंवत कॉलेज में वाणिज्य संकाय व प्रबन्ध अध्ययन का पुस्तकालय एक ही स्थान पर था एंव वर्तमान में स्नातक स्तर व पी.जी. के छात्रों को पुराने परिसर वाणिज्य संकाय से ही पुस्तकों का आदान प्रदान होता है।

   एस.एम.के. केम्पस में कला वर्ग व सांय कालीन अध्ययन संस्थान व विधी संकाय का एस.एम.के. हॉल में पुस्तकालय में पुस्तकों का आदान प्रदान होता है।

   अभियांत्रिकी संकाय का पुस्तकालय अभियांत्रिकी संकाय परिसर में पुस्तकों का आदान प्रदान किया जा रहा है।

   महिलाओं की शिक्षा के लगभग सभी विषयों में स्नातक स्तर तक कमला नेहरू महिला महाविधालय के पुस्तकालय में पुस्तकों का आदान प्रदान किया जा रहा है।

3. नये परिसर में विज्ञान संकाय स्थानान्तरण –:

   सन 1985 में नये परिसर में पुस्तकालय का भवन बनकर तैयार हो गया था । जिसमें विज्ञान संकाय में स्नातक स्तर की कक्षाऐं नये परिसर में शुरू की गई थी। कुछ समय पश्चात विज्ञान के समस्त विभाग भी नये परिसर बनकर तैयार हो गये जिसमें स्नातक व स्नातकोत्तर के सभी कक्षाऐं नये परिसर में लगने लगी, जिससे नये परिसर में विज्ञान संकाय स्नातक व स्नातकोत्तर एंव शोध छात्रों को पुस्तकों का आदान प्रदान नये भवन से किया जाने लगा।

4. भाषा विज्ञान प्रकोष्ठ में कला संकाय के समस्त विभाग–:

   सन 2000 से पुराने परिसर से कला संकाय के समस्त विभाग नये परिसर में भाषा विज्ञान प्रकोष्ठ में बनकर तैयार हो गये थें कला संकाय में स्नातकोत्तर के सभी कक्षाऐं नये परिसर होने लगी, जिससे स्नातकोत्तर के सभी पुस्तकों का भी आदान प्रदान नये परिसर से होने लगा। इस प्रकार केन्द्रीय पुस्तकालय भी नये परिसर में स्थानान्तरण कर दिया गया था।

5. कला संकाय नये परिसर में स्थानातरण –:

पुराने परिसर में स्नातक स्तर में कला संकाय की कक्षाऐं पुराने परिसर में हो रही थी उसके लिए पुराने परिसर पुस्तकालय के नाम से केवल कला संकाय का पुस्तकालय पुराने परिसर में था, उसमें स्नातक स्तर के छात्रों को पुस्तकों का आदान प्रदान होता था। सन् 2018 में कला संकाय भी पुरानें परिसर से नये परिसर में स्थानान्तरण कर दिया गया था । नये परिसर में कला संकाय हेतु अलग से भवन का निर्माण करवाया गया था, जिसमें कार्यालय व कला संकाय में स्नातक स्तर के छात्रों हेतु कक्षाओं का निर्माण किया गया था। पुराने परिसर से 2019 में पुस्तकालय को नये परिसर के केन्द्रीय पुस्तकालय से कला संकाय के छात्रों को पुस्तको का आदान प्रदान किया गया।

6. अध्यक्ष पुस्तकालय मण्डल का गठन–:

नये परिसर में केन्द्रीय पुस्तकालय 1985 से स्थापित है जब से पुस्तकालय मण्डल बोर्ड का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष पुस्तकालय मण्डल की नियुक्ति कुलपति महोदय द्वारा की जाती हैं। पुस्तकालय मण्डल बोर्ड के सभी विभागाध्यक्ष, डीन एंव निदेशक सदस्य होते है। पुस्तकालय मण्डल द्वारा सत्र शुरू होने से पहले पुस्तकालय के नियमित कार्यो कि रूपरेखा बनाकर पुस्तकालय मण्डल की मिटिंग में रख कर उसकी सहमति ली जाती है। बजट खर्च करने की स्वीकृति भी ली जाती हैं। वर्तमान में पुस्तकालय मण्डल के अध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र विभाग के प्रोफसर पवन कुमार कसेरा नवम्बर 2019 से नियुक्ति किये गये है।

7. पुस्तकें कम्प्यूटर के माध्यम से आदान प्रदान–:

नये परिसर में केन्द्रीय पुस्तकालय की सभी पुस्तकों का विवरण सॉल 2.0 के अनुसार डाटा तैयार कर पुस्तकों का आदान प्रदान कम्प्यूटर के माध्यम से किया जा रहा है। पुस्तकालय में सदस्यता क्रमांक भी कम्प्यूटर के माध्यम से दिया जा रहा है।

Hkfo"; ;kstuk,:

1. भवन निर्माण कक्ष के अनुसार केन्द्रीय पुस्तकालय के चार भागों में से दो भाग का निर्माण 1985 में हुआ शेष दो भाग आज तक नही बने है। 1985 के पश्चात छात्रों की संख्या चार गुणी बढी है और कला संकाय पुरा नये परिसर में स्थानान्तरण हो गया है कला संकाय के पुस्तकालय हेतु भवन पर्याप्त नही है एंव वर्तमान में ई बुक्स व ई जर्नलस के द्वारा छात्रों का अध्ययन हो रहा है जिसके लिए एयरकन्डीशन हॉल का निर्माण होना आवश्यक है जिसमें कम्प्यूटर के माध्यम से अध्ययन कर सके। अतः इस प्रकार एक भाग में स्नातक स्तर में कला वर्ग के हॉल व एक भाग में कम्प्यूटर हॉल की आवश्यकता है। भवन निर्माण कक्ष के माध्यम से नक्शे के अनुरूपशेप दो भागों का निर्माण करवाने की स्वीकृति प्रदान करावे।
2. वर्तमान में प्रत्येक क्षेत्र में सभी कार्य ऑन लाईन द्वारा किये जाते है इसके लिए केन्द्रीय पुस्तकालय को पुर्णतया कम्प्यूटरीकरण करने के प्रयास किये जायेगे एंव ऑन लाईन प्रणाली को चलाने हेतु प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति आवश्यक है। जिससे ई बुक्स व ई जर्नलस कि सुविधा छात्रों को उचित ढंग से मिल सके।
3. केन्द्रीय पुस्तकालय में बिजली की समस्या प्रमुख है, पुस्तकालय का एक भाग अण्डरगाउण्ड में बना है। बिजली बन्द होने पर काफी परेशानी होती है। जिसके लिए सौर उर्जा के माध्यम से बिजली उत्पन्न हो सके जो पुस्तकालय के उपयोग हो सके।

(प्रो. पी.के. कसेरा)
अध्यक्ष,
पुस्तकालय मंडल